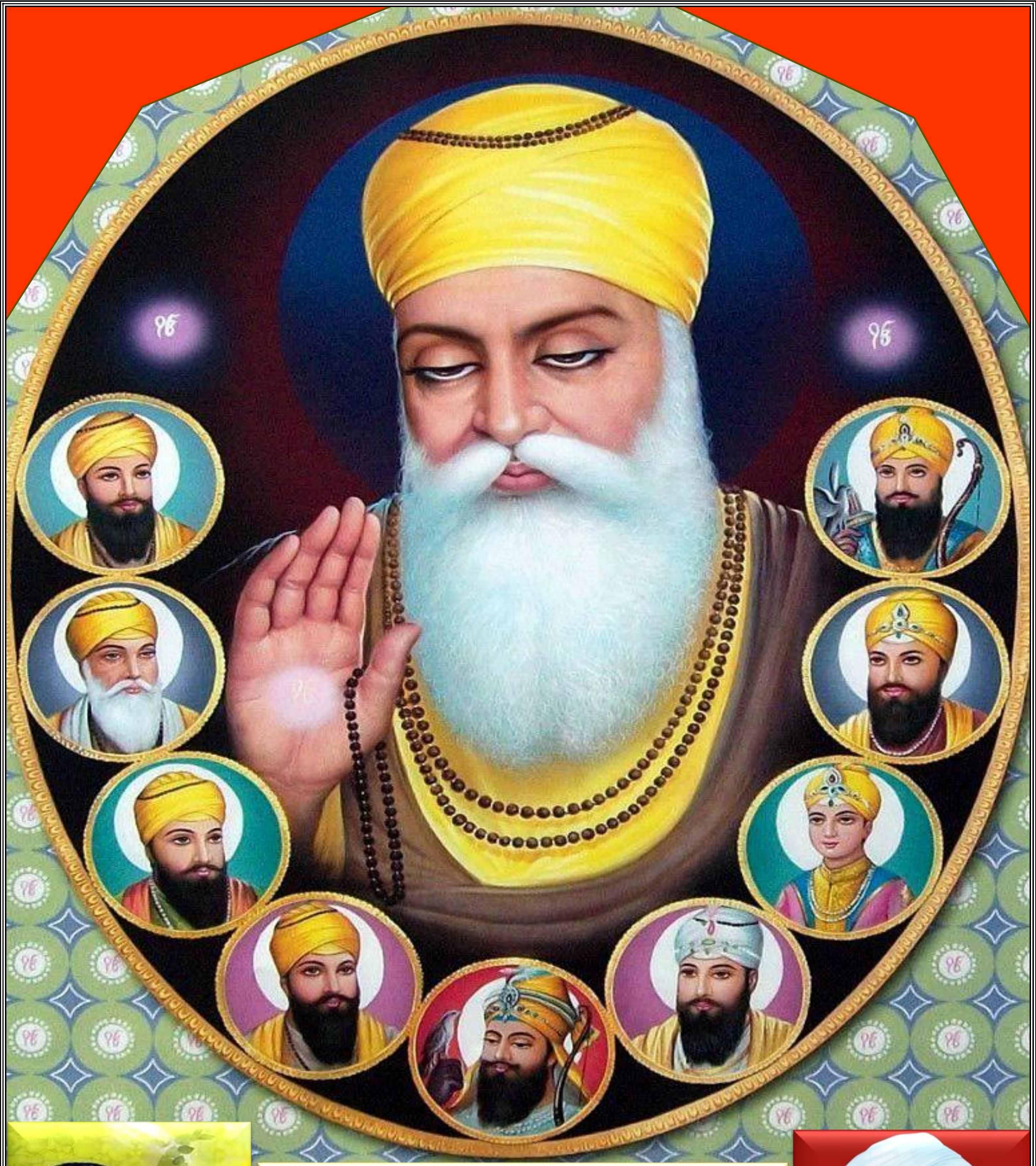

डिजिटल पत्रिका

अंक–चतुर्विंशतिः पुष्प, दिसम्बर 2023

अवध विहान

अवध—विहान

संरक्षक

मा. यतीन्द्र शर्मा जी
अ.भा. सहसंगठन मंत्री
विद्या भारती

मार्गदर्शक मण्डल

मा. हेमचन्द्र जी
क्षेत्रीय संगठन मंत्री
विद्या भारती पूर्वी उ0प्र0 क्षेत्र

मा. हरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव जी
अध्यक्ष
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. डॉ. महेन्द्र कुमार जी
मंत्री
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. रामजी सिंह जी
प्रदेश निरीक्षक
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. सुरेश कुमार सिंह जी
सम्भाग निरीक्षक (सीतापुर सम्भाग)
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. अवरीश कुमार जी
सम्भाग निरीक्षक (साकेत सम्भाग)
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

सम्पादक मण्डल

प्रधान सम्पादक

डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह
प्रान्त प्रचार प्रमुख, भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

सहसम्पादक

श्रीमती निधि द्विवेदी
प्रधानाचार्य
स.बा.वि.म..इ.का., सरस्वती नगर
रायबरेली

श्रीमती शिप्रा बाजपेई
प्रधानाचार्य
स.ध.स.वि.बा.इ.का.
लखीमपुर—खीरी

विशेष सहयोग

जितेन्द्र पाण्डेय
प्रान्त सोशल मीडिया प्रमुख
अवध प्रान्त

सम्पादक की कलम से –

हम सब 14 नवंबर को बाल दिवस मना कर पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती मनाते हैं। हम सब जानते हैं कि पंडित जवाहरलाल नेहरू बच्चों को बहुत मानते थे, परंतु वह समय कुछ और था और आज का समय कुछ और है। आज भौतिक युग है, जहां धन की कीमत है। प्रत्येक व्यक्ति पैसे की मशीन बनना चाहता है और यदि कोई नहीं बन पाया तो अपनी इच्छा बच्चों के ऊपर थोप कर पूरा करना चाहता है। यदि आज पंडित जवाहरलाल नेहरू जी होते तो वह क्या महसूस करते। जिस बालक के खेलने और खाने के दिन होते हैं उस पर बस्ते का बोझ लाद दिया जाता है और खेलने के समय उसे गृहकार्य के लिए बैठा दिया जाता है। सोने के समय उसे उत्तर याद करने के लिए कहा जाता है। जब बालक बड़ा हो जाता है तो अभिभावक उससे वही करवाना चाहता है जो वह स्वयं नहीं कर पाया। ऐसे में बालक की हिम्मत जवाब दे जाती है और वह पढ़ाई से भागने लग जाता है। अभिभावक अपनी जिद पूरी करने के लिए बालकों को कोचिंग के लिए भेज देते है। कोचिंग वाले अधिक से अधिक बच्चों को चयनित दिखाने के लिए इतना दबाव बनाते हैं कि बच्चा दो पाटों के बीच पिस कर रह जाता है और जिस बचपन की कल्पना की जाती है वह समाप्त हो जाती है। जब बालक को कोई रास्ता समझ में नहीं आता तो वह अपने को समाप्त करना ही बेहतर समझता है। हम जिस बच्चे के बचपन को हमेशा याद करते थे वह बच्चा ही नहीं रहता। अब हमारे पास केवल पछताने के अलावा और कुछ नहीं बचता है। इन बातों को लिखकर मैं यह संदेश देना चाहता हूं कि बालक को अपना पूरा बचपन बिताने दीजिए और जब वह पढ़ने जाए तब उसकी इच्छा और आइक्यू के अनुसार उसे पढ़ने दीजिए। स्वेच्छा से पढ़ने पर वह बेहतर कर सकता है और अपने माता–पिता का नाम रोशन कर सकता है। बस केवल उसे अच्छे मार्गदर्शन व मजबूत सहारे की आवश्यकता है, जोकि माता–पिता के सिवाय कोई नहीं दे सकता। बच्चों का बचपन छीन कर गधा मत बनाओ यदि कुछ करना है तो उसे इंसान बनाओ।

YP Singh

डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह
प्रधान सम्पादक
पं0 दीनदयाल उपाध्याय स.वि.म.इ.का.
लखीमपुर–खीरी

लखनऊ संकुल

जिला टोली बैठक आयोजित की गयी

विद्या भारती के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री श्रद्धेय श्री श्रीराम अरावकर की अध्यक्षता मे अवध प्रान्त की जिला टोली के कार्यकर्ताओं की एक दिवसीय बैठक भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज सेक्टर क्यू अलीगंज लखनऊ मे सम्पन्न हुई। बैठक मे जिले की टोली की जानकारी,शिशु वाटिका की 12 व्यवस्थाएं, आदर्श संस्कार केन्द्र,जिला केन्द्र के विद्यालय की SESQ Report आधारित समीक्षा एवं मूल्य आधारित शिक्षा व्यवस्था के कार्य के विस्तार पर चर्चा वार्ता केन्द्रीय अधिकारी के द्वारा करते हुए सांख्यिकीय आंकड़े प्राप्त किये। बैठक मे अवध प्रान्त के 13 जिलों की जिला टोली (नगरीय व ग्रामीण) दोनो समितियो के प्रदेश निरीक्षक व सम्भाग निरीक्षक सहित प्रांतीय टोली के अधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। आज की बैठक मे विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय संगठन मंत्री आदरणीय श्री हेमचन्द्र जी की भी गरिमामयी उपस्थिति पूरे समय रही। परिचय भारतीय शिक्षा समिति के प्रदेश निरीक्षक माननीय श्री राम जी सिंह ने कराया तथा संचालन जन शिक्षा समिति के प्रदेश निरीक्षक माननीय मिथिलेश अवस्थी ने किया। बैठक का समापन शान्ति मंत्र के साथ हुआ।

प्रान्तीय कार्यकारिणी बैठक की झलकियां

ममतामयी वातावरण में शिशुओं की शिक्षा

देव दीपावली, कार्तिक पूर्णिमा के पवित्र अवसर पर शिशु वाटिका ने आज नूतन प्रयोग प्रारंभ किया । मुख्य अतिथि प्रोफेसर जय प्रताप सिंह ने आज प्रातः पवित्र पावन अवसर पर मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर,वैदिक रीति से हवन पूजन कर शिशु वाटिका के ब्लोसम हाउस का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विद्यालय के आदरणीय प्रबंधक डॉक्टर शैलेश मिश्र जी तथा प्रधानाचार्य श्री संतोष कुमार सिंह व प्रसिद्ध व्यवसाई उपस्थित रहे। शिशु वाटिका प्रमुख श्रीमती शर्मिला श्रीवास्तव ने बताया कि जिन शिशुओं का प्रवेश नर्सरी (अरुण)में होता है ,वे कुछ महीनो तक विद्यालय परिवेश से समायोजन नही कर पाते हैं । अतः माननीय प्रबंधक जी व प्रधानाचार्य जी के साथ गहन विचार विमर्श के बाद इस प्रयोग को पुष्पित किया जा रहा है । इस हाउस में नन्हे मुन्ने घर की तरह खेल खेल में बैठना, उठना ,खाना पीना आदि क्रियाएं करेंगे। उनकी माताएं भी मां यशोदा की भूमिका में दूर से उनको देखती रहेंगी । उप प्रधानाचार्य श्री आशीष अग्रवाल ने बताया कि तीन घंटे के लिए बालक हमारे पास रहेगा । समय समय पर डॉक्टरों के द्वारा उनके स्वास्थ्य की जांच कर खाने पीने के लिए पौष्टिक आहार का सुझाव दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि आज ही इसका उद्घाटन इस लिए किया गया है कि अंधकार से प्रकाश की ओर के इस प्राकृतिक दिन में भगवान विष्णु चार महीने की निद्रा से उठकर जगत में प्रकाश फैलाते हैं । जगत के पालनहार भगवान विष्णु के आशीर्वाद से हमारे शिशुओं का संपूर्ण अभ्युदय होगा। जिन बच्चों का प्रवेश इस ब्लोसम हाऊस में होगा उनको विद्यालय की तरफ से लेखन सामग्री सहित बैग भेंट किया जा रहा है । नन्हे मुन्नों तथा उनकी माताओं के नृत्य व भजन ने सभी मोहित कर दिया ।

समीक्षा बैठक की गयी

देव सरस्वती बालिका इंटर कॉलेज सेक्टर आई लखनऊ में सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य जी की भारतीय शिक्षा समिति अवध प्रांत सीतापुर संभाग और लखनऊ संभाग के श्री सुरेश बहादुर सिंह और अवनीश जी तथा भारतीय शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्री हरेंद्र नाथ श्रीवास्तव जी ने समीक्षा बैठक करके विद्यालय की गुणवत्ता विद्यालय के संसाधन विकास पर जोर दिया तथा राम जन्मभूमि में समय दानी कार्यकर्ता के लिए आग्रह किया और विद्यालय विस्तार पर विशेष बल दिया। विधिवत सभी सत्र चले और सभी ने ने संकल्प लिया। इसे इन बिंदुओं को अवश्य पूरा करेंगे।

ट्रेनिंग प्रोग्राम सम्पन्न

सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर क्यू अलीगंज में आज सीबीएसई के द्वारा स्मार्ट बोर्ड पर अध्यापन कार्य करने के तरीकों को विषय विशेषज्ञों द्वारा विस्तार से ट्रेनिंग दी गई। विद्यालय शिक्षण के उपरांत आदरणीय प्रबंधक जी ने आए हुए विषय विशेषज्ञों का स्वागत कर सत्र को प्रारंभ कराया । सभी अध्यापक अध्यापिकाओं द्वारा अपनी समस्याओं के समाधान हेतु प्रश्न किया। विषय विशेषज्ञों ने समाधान बताया । अध्यापन की बारीकियों तथा स्मार्ट बोर्ड की तकनीकी तथा उसकी जटिलताओं के समाधान का पूरा प्रयास किया गया । आमोद जी और आशीष जी ने कंप्यूटर में पायथन और प्रैक्टिस और आई टी के संदर्भ में प्रश्न किए । साइंस के प्रैक्टिकल के संदर्भ में भी प्रश्न और जिज्ञासाओं को साझा किया गया ।

अयोध्या संकुल

शैक्षणिक भ्रमण आयोजित

अयोध्या शिवलाल शर्मा सरस्वती शिशु /विद्या मंदिर तुलसी नगर अयोध्या में भैया बहनों को प्रधानाचार्य,आचार्य,कर्मचारी के साथ देश दर्शन के अंतर्गत शैक्षणिक भ्रमण करने का अवसर मिला। प्रधानाचार्य श्री ओमप्रकाश तिवारी जी के नेतृत्व में विज्ञान अंचलिक केंद्र,चिड़ियाघर तथा जनेश्वर मिश्र पार्क में अपने ग्रुप के आचार्य/आचार्या के साथ सभी भैया–बहनों ने खूब आनंद उठाया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी आचार्य श्रीमती ममता पांडेय, श्री विनीत कुमार मिश्र, श्रीमती प्रियंका त्रिपाठी, प्रिया सिंह, कविता मिश्रा, शशि बाला तिवारी, नेहा पांडेय, सुधीर कुमार, अर्जुन यादव, ज्योतिष कौशल, अंकित जी और श्री सर्वानंद मिश्र ने अपना सराहनीय योगदान दिया।

सीतापुर संकुल

भाषा दिवस का कार्यक्रम मनाया गया

सरस्वती शिशु मंदिर पुरवारी टोला बिसवां ,सीतापुर के विद्यालय में महान राष्ट्रीय तमिल कवि स्वतंत्रता सेनानी चिन्नास्वामी सुब्रमण्यम भारती के जन्म दिवस पर दिनांक 11 दिसंबर 2023,दिन –सोमवार कोभारतीय भाषा दिवस का कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर विद्यालय के कई आचार्य बंधु/ बहनों के द्वारा गीता के श्लोक, मानस की चौपाइयां, एवं कबीर दास जी के दोहे भावार्थ सहित सुनाएं एवं बताए गए। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान रामानुज चौरसिया जी द्वारा भारतीय भाषा दिवस का महत्व बताया गया। इस कार्यक्रम में सभी आचार्य बंधु, आचार्या बहनों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समापन शांति मंत्र के साथ किया गया।

विद्यालीय गतिविधियों का निरीक्षण किया गया

बिसवां स्थित सरस्वती शिशु मंदिर पुरवारी टोला बिसवां, सीतापुर विद्यालय में वार्षिक निरीक्षण के अंतर्गत विद्याभारती से सम्बद्ध मालवीय नगर गोंडा सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य श्री उमाशंकर तिवारी , भारतीय शिक्षा समिति अवध प्रांत के प्रांतीय प्रमुख श्री चंद्रपाल सिंह व प्रांतीय प्रमुख श्री विशाल सिंह चौहान प्रांतीय अंकेक्षण प्रमुख , द्वारा शिक्षण गतिविधियां , विद्यालय अभिलेख व अन्य विद्यालयीय गतिविधियों का निरीक्षण किया गया तथा सभी आचार्य / आचार्या बहिनों को आवश्यक निर्देश दिए गए। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री रामानुज चौरासियाजी ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालयीय शिक्षण व्यवस्था में आवश्यक सुधार और शिक्षण पद्धति में नवाचार हेतु प्रतिवर्ष प्रान्तीय निरीक्षकों द्वारा निरीक्षण किया जाता है जिससे शिक्षण व्यवस्था में सुधार आता है। इस अवसर पर प्रान्तीय निरीक्षक श्री चंद्रपाल सिंह , श्री उमाशंकर तिवारी , श्री विशाल सिंह चौहान , विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री रामानुज चौरसियाजी , शिशुवाटिका प्रमुख श्रीमती शशि मिश्राजी के साथ विद्यालय के समस्त आचार्य / आचार्या व भैया / बहिन उपस्थित रहे।

जगदीशचन्द्र बसु की जयन्ती मनायी गयी

सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज हरगांव में जगदीश चन्द्र बोस जयंती पर विद्यालय में विभिन्न कार्यक्रम जैसे प्रश्न मंच क्रियात्मक प्रयोग मॉडल व्याख्यान संपन्न हुए इस अवसर पर हरगांव के खंड शिक्षा अधिकारी रमाकांत मोर्य ,ऋषि बाजपेई व विनय दीक्षित भैया प्रशांत मिश्रा पंकज उत्प्रेती प्रधानाचार्य ग्रीन फील्ड एकेडमी तथा अनुभव शुक्ला भैया बहन उपस्थित रहे। प्रश्न मंच प्रतियोगिता में शिशु वाटिका वर्ग के भैया आयुष पाण्डेय बहन आनवी मिश्रा शिवांश मिश्रा शिशु वर्ग में भैया अरनव जायसवाल नितिन तिवारी गौरी व बाल वर्ग में भैया शास्वत झा ,पावनी मिश्रा, आरोही मिश्रा व आयशी सिंह की टीमों ने क्रमशः प्रथम स्थान प्राप्त किया वही क्रियात्मक मॉडल में बहन काव्या रस्तोगी ,श्रुति राठौर व चार्ट प्रतियोगिता में बहन खुशी मिश्रा तथा विज्ञान प्रयोग में भैया नेकराम ने क्रमशः प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के संयोजक सुनील कुमार त्रिवेदी व शैलेंद्र मिश्रा ने प्रधानाचार्य बिपिन बिहारी शुक्ला की देख रेख में कार्यक्रम का सफल आयोजन किया इस अवसर पर विद्यालय के सभी आचार्यों व कर्मचारियों का सहयोग प्राप्त हुआ आए हुए अभिभावकों ने कार्यक्रम की सराहना की प्रधानाचार्य में कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए जगदीश चंद्र बसु के जीवन में आए हुए संघर्ष व उनके द्वारा की गई खोज के विषय में बताया। आचार्य अनिल कुमार त्रिवेदी के द्वारा आए हुए सभी अतिथियों एवं अभिभावकों का आभार प्रकट किया गया कार्यक्रम का समापन शांति मंत्र के साथ हुआ।

लखीमपुर संकुल

विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया

स्थानीय राजकीय इंटर कॉलेज में जिला विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन प्रशासन की और से किया गया था जिसमें उद्घाटन के समय माननीय जिलाधिकारी महोदय भी उपस्थित थे और साथ ही जिला विद्यालय निरीक्षक जी ने लखीमपुर जिले के लगभग 176 विद्यालयों से आए हुए लगभग 300 मॉडल का निरीक्षण किया जिसमें अपने विद्यालय पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज सीबीएसई के सीनियर वर्ग के भैया लक्ष्य गुप्ता को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ, जिसमें नगद ₹5000 इनके बैंक में जमा किए जाएंगे और साथ ही इन्हें आगे के प्रतियोगिता में प्रतिभाग करना है। इसके साथ ही इसी विद्यालय की जूनियर वर्ग की बहन तारिणी राणा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है इन्हें नगद ₹2000 की धनराशि के खाते में जमा की जाएगी।

गुरू तेग बहादुर जी का बलिदान दिवस मनाया गया

विद्या भारती विद्यालय पं0 दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मन्दिर इन्टर कालेज (यू.पी. बोर्ड) लखीमपुर खीरी में गुरू तेगबहादुर जी के बलिदान दिवस का कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय के प्रथम सहायक श्री कुन्तीश अग्रवाल जी ने मॉ सरस्वती व गुरू तेगबहादुर जी के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्चन कर किया। शारीरिक आचार्य श्री प्रवेन्द्र कुमार सिंह जी ने बताया कि आज का दिन उत्साह शौर्य और देश प्रेम तथा अपने आप को देश के लिए समर्पण को याद दिलाता है

यह कहानी बड़ी पुरानी है यह वीरों वाली वाणी है

ये शीश धरा पर धरा नही शीश कटा पर झुका नही

उस समय धर्मांतरण का कार्य बहुत तेजी से चल रहा था। 1675 में गुरु तेग बहादुर जी से भी कहा आप मुस्लिम बन जाएं हम तुम्हें छोड़ देंगे परंतु गुरु तेग बहादुर जी ने अपना शीश कटवा लिया लेकिन इस्लाम धर्म को स्वीकार नहीं किया। कक्षा 12 के भैया संदर्भ दीक्षित ने बताया 21 अप्रैल 1621 में पंजाब के अमृतसर में इनका जन्म हुआ था। इनके बचपन का नाम त्यागमल था। इनके पिता का नाम हर गोविंद जी और माता का नाम ननकी था। 1965 में गुरु कृष्णा साहब के बाद नौवें गुरु बने। भैया ने बताया औरंगजेब कश्मीर में धर्मांतरण करवाकर हिन्दुओं को मुस्लिम बनवा रहा था तब कुछ कश्मीरी हिन्दू गुरू तेगबहादुर जी के पास आये और अपना दुख वयक्त किया जिस पर गुरु तेग बहादुर जी ने कहा कि औरंगजेब से कहिए कि पहले गुरु तेग बहादुर जी का धर्मांतरण करवाए। गुरू तेगबहादुर जी नें मुगल सैनिकों का धर्मांतरण के विरूद्ध विरोध किया इसके बाद मुगल सैनिकों नें गुरू तेगबहादुर जी को बंदी बना लिया और औरंगजेब ने गुरु जी से कहा कि मुस्लिम धर्म स्वीकार कर लीजिए नहीं तो मृत्यु दंड दिया जाएगा लेकिन गुरु जी ने मुस्लिम धर्म स्वीकार नहीं किया। जिस कारण औरंगजेब नें इनका शीश दिल्ली के चांदनी चौक में 24 नवंबर 1975 को कटवा दिया। उनकी याद में अब वहां पर शीशगंज गुरुद्वारा है। इनकी बहादुरी के कारण ही इन्हें

हिंद दी चादर कहा जाता है कक्षा 9 के भैया प्रवीण कुमार नें अंग्रेजी में भाषण दिया। विद्यालय के प्रथम सहायक श्री कुन्तीश अग्रवाल जी ने बताया कि औरंगजेब अपने दरबार में हर धर्म के जानने व बताने वाले लोग रखे थे एक पंडित जी रोज उसे गीता के श्लोक पढ़कर सुनाते थे व अर्थ भी समझाते थे लेकिन वह पंडित जी सभी श्लोक का अर्थ नहीं समझाते थे एक दिन पंडित जी बीमार पड़ गए तब उन्होंने अपने लड़के को दरबार में भेजा लेकिन पंडित जी अपने लड़के को ये बताना भूल गये कि सभी श्लोकों के अर्थ नहीं बताना है। लड़के ने सभी श्लोक पढ़कर अर्थ सहित समझाएं तभी से औरंगजेब को यह समझ में आया कि हिन्दू धर्म से अच्छा धर्म कोई हो नहीं सकता इसलिए उसने हिन्दू धर्म को खत्म करने हेतु सभी को मुस्लिम धर्म स्वीकार करने को कहा। उसने गुरु तेग बहादुर जी को कई प्रलोभन दिए जब वह नहीं माने तो उसने उनका शीश दिल्ली के चांदनी चौक में काटने का आदेश दिया। उनकी याद में आज वहां शीशगंज गुरुद्वारा है। इस अवसर पर समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

प्रान्तीय योजनानुसार निरीक्षण सम्पन्न

विद्या भारती विद्यालय डॉ हेडगेवार सरस्वती शिशु मंदिर आवास विकास लखीमपुर खीरी में प्रांतीय योजनानुसार सत्र 2023 –24 का वार्षिक निरीक्षण संपन्न हुआ । निरीक्षक के रूप में श्री अवरीश जी संभाग निरीक्षक साकेत , डॉ अनुपम सिंह जी प्रधानाचार्य गंगानगर उन्नाव एवं विद्यालय के विद्वत परिषद के अध्यक्ष एवं राजकीय इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य श्री सोबरन लाल मिश्र जी उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत भैया बहिनों ने घोषवादन द्वारा किया गया । अतिथियों को विद्यालय के प्रधानाचार्य जी ने अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया एवं विद्यालय की प्रबंध समिति द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए

गए। निरीक्षक बन्धुओं द्वारा विद्यालय के भौतिक एवं आध्यात्मिक परिवेश, शैक्षणिक गतिविधियां, विद्यालय अभिलेखा ,शिशु लेखा ,आचार्य लेखा, अर्थ लेखा का सूक्ष्म निरीक्षण एवं पूर्व छात्र परिषद, मातृ भारती, प्रबंध समिति एवं विद्वत परिषद के साथ चर्चा वार्ता हुई। सूक्ष्मता के साथ निरीक्षण किया गया तथा न्यूनताओं पर प्रयास करने की अपेक्षा की गई। विद्यालय के पुरातन छात्र परिषद, छात्र संसद , शिशु भारती, विद्वत परिषद व कन्या भारती के साथ निरीक्षक बन्धुओं की बैठक संपन्न हुई। जिसमें विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राममणि मिश्र जी उपस्थित रहे । दिनांक 23– 11– 23 को वंदना स्थल पर गुरु तेग बहादुर सिंह जी का शहीद दिवस मनाया गया । इस अवसर पर विद्यालय के आचार्य श्री विवेक श्रीवास्तव जी ने गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान की घटना व जीवन कृत्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला । इस अवसर पर निरीक्षक डॉ अनुपम सिंह जी ने सभी भैया बहिनों को अपना आशीर्वचन व मार्गदर्शन प्रदान किया । विज्ञान प्रदर्शन ,प्रयोग व खेल की क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाने वाले भैया युवराज तिवारी, आराध्य माथुर व बहिन देवेसी को निरीक्षक अतिथि महोदय द्वारा पुरूस्कृत व सम्मानित किया गया ।अतिथि महोदय ने शहीद दिवस पर सभी भैया बहिनों को गुरु तेग बहादुर जी के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही । कार्यक्रम का संचालन आचार्य श्री श्याम वल्लभ शुक्ल जी ने किया । अतिथि परिचय व स्वागत विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राममणि मिश्र जी द्वारा कराया गया ।इस अवसर पर सभी भैया बहिनों सहित समस्त आचार्य ,आचार्या व कर्मचारी उपस्थित रहे । कार्यक्रम का समापन कल्याण मंत्र के साथ हुआ।

गुरू नानक जी की जयन्ती व संविधान दिवस मनाया गया

विद्या भारती विद्यालय पं0 दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज (यू.पी.बोर्ड), लखीमपुर खीरी में गुरूनानक देव जी की जयन्ती व संविधान दिवस का कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह जी नें मां सरस्वती व गुरूनानक देव जी के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्चन कर किया। आचार्य श्री देवानन्द पाण्डेय जी नें बताया कि यह जयन्ती पहले सिक्ख गुरू गरूनानकदेव जी के जन्म दिवस जी के रूप में मनाई जाती है। इस बार 551वी. जयन्ती मनाई जा रही है। यह सिक्खों के प्रथम गुरू थे इनका जन्म ननकानासाहिब पंजाब में हुआ था और इनका समाधि स्थल करतारपुर साहिब पाकिस्तान में स्थित है। यह शुरू से ही प्रतिभावान और अलौकिक शक्तियों के स्वामी थे। यह शुरू से ही दयालु थे। एक बार इनके पिता नें इन्हें सब्जी लाने के लिए पैसे दिये तो इन्होंने वे पैसे गरीबों में बाँट दिये। इसके बाद विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री रमेशचन्द्र पाठक जी नें बताया कि धार्मिक कट्टरता के वातावरण में उदित गुरूनानक नें धर्म को उदारता की एक नई परिभाषा दी। उन्होंने अपने सिद्धान्तों के प्रसार हेतु एक सन्यासी की तरह घर का त्याग कर दिया और लोगों को सत्य और प्रेम का पाठ पढ़ाना आरम्भ कर दिया। उन्होंने जगह–जगह घूम कर तत्कालीन अन्धविश्वासों और पाखण्डों का जम कर विरोध किया। वे हिन्दू–मुस्लिम एकता के भारी समर्थक थे। उन्होंने सभी तीर्थों की यात्राएं की और सभी धर्मों के लोगों को अपना शिष्य बनाया। भारत में अपने ज्ञान की ज्योति जलाने के बाद उन्होंने मक्का और मदीना की यात्रा की और वहाँ के लोग भी उनके शिष्य बन गए। उनकी वाणी आज भी गुरूग्रन्थ साहिब में संग्रहित है। उनका जन्म दिन प्रत्येक वर्ष कार्तिक पूर्णिमा को प्रकाश पर्व

के रूप में कई देशों में मनाया जाता है। इसके बाद भैया यश गुप्ता, भैया रूद्र प्रताप और भैया तुषार नें अपने वक्तव्य दिए। इसके बाद विद्यालय के आचार्य श्री हिमान्शु रस्तोगी जी नें बताया कि 26 नवम्बार 1949 को हमारा संविधान बनकर तैयार हो गया था इसलिए प्रतिवर्ष 26 नवम्बर को हम लोग संविधान दिवस के रूप में मनाते हैं इसके बाद उन्होंने विद्यालय के सभी भैयाओं, आचार्य/आचार्या व कर्मचारी भैयाओं को अपना दाहिना हांथ निकलवाकर संविधान की शपथ दिलवाई।

कार्यक्रम के अन्त में विद्यालय के प्रधानाचार्य जी नें भैयाओं से कहा कि महापुरूषों की जयन्ती पर हमें उनके एक गुण को ग्रहण करना चाहिए तथा हमें अपनी एक बुराई का त्याग करना चाहिए तथा उनके आदर्शों एवं सिद्धान्तों को अपने जीवन में उतारना चाहिए।

कम्बल वितरण किया गया

गंगा स्नान के अवसर पर आदरणीय चाँद कुमार जैन जी, आदरणीय प्रबंधक राम बचन तिवारी जी एवं उनकी धर्मपत्नी मीना तिवारी जी,आदरणीय जिला प्रचारक शिव प्रकाश जी, आदरणीय पलिया नगर प्रचारक रणवीर जी, आदरणीय प्रधानाचार्य राम प्रताप सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी रीता सिंह जी के संरक्षण में छात्रावास में कम्बल वितरण का कार्यक्रम संपन्न हुआ साथ ही छात्रावास के बच्चों का मार्ग दर्शन किया गया।इस पावन अवसर पर श्री शिवकांत मिश्र जी, श्री गजेंद्र जी,श्री ज्ञानेश तिवारी जी,श्री युवराज जी उपस्थित रहे।

हैण्डबॉल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया

लालपुर स्टेडियम में जिला ओलंपिक खेलों का आयोजन हुआ जिसमें विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन किया गया जिसमें पं0 दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मन्दिर इन्टर कालेज सी.बी.एस.ई. से हैंडबॉल तथा शतरंज प्रतियोगिता में भईयाओं तथा बहनों ने प्रतिभाग किया। जिसमें हैंडबॉल में अंडर 19 बालिकाओं ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

जिला विज्ञान प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त किया

जिला विज्ञान क्लब, लखीमपुर खीरी द्वारा आयोजित जनपद स्तरीय विज्ञान माडल प्रतियोगिता सनातन धर्म सरस्वती विद्या मन्दिर बालिका इण्टर कालेज, मिश्राना में सम्पन्न हुयी जिसमें पं0 दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज (यू.पी. बोर्ड) के कक्षा दशम के भैया रूपक वर्मा को तृतीय स्थान व भैया अभिज्ञान सिंह को सप्तम् स्थान प्राप्त हुआ। इस अवसर जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 महेन्द्र प्रताप सिंह जी नें भैयाओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह जी नें भैयाओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

डॉ0 जगदीश चन्द्र बसु की जयन्ती विज्ञान दिवस के रूप में मनायी गयी

विद्या भारती विद्यालय पं0 दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज (यू.पी.बोर्ड), लखीमपुर खीरी में आज डॉ0 जगदीश चन्द्र बसु जी की जयन्ती विज्ञान दिवस के रूप में मनायी गयी। कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह जी नें मां सरस्वती व जगदीश चन्द्र बसु जी के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्चन कर किया। विद्यालय के आचार्य श्री विजय

कुमार श्रीवास्तव नें बताया कि भारत में ब्रिटिश शासन के दौरान मुंशीगंज, बंगाल प्रेसीडेंसी वर्तमान में जो बंग्लादेश में है में जन्में बोस ने सेंट जेवियर्स कालेज कलकत्ता से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने माइक्रोबेव स्पेक्ट्रम में रेडियो तरंगों पर अपना शोध किया और रेडियों तरंगों का पता लगाने के लिए सेमीकन्डक्टर जंक्शनों का उपयोग करने वाले पहले व्यक्ति थे। बसु को भौतिकी, जीव विज्ञान, वनस्पति विज्ञान तथा पुरातत्व का गहरा ज्ञान था। वे पहले वैज्ञानिक थे जिन्होंने रेडियो और सूक्ष्म तरंगों की प्रकाशिकी पर कार्य किया। इन्होंने ही सर्वप्रथम बताया कि पौधों में जीवन होता है इन्होंने पौधों की धड़कन स्क्रीन पर दिखाने वाले उपकरण का आविष्कार किया। इनके द्वारा निर्मित प्रमुख यंत्र केस्कोग्राफ है जो पौधों की वृद्धि को नापता है यह आस–पास की विभिन्न तरंगों को माप सकता है। इन्हें रेडियो साइंस का जनक कहा जाता है। कार्यक्रम के अन्त में विद्यालय के प्रधानाचार्य डा0 योगेन्द्र प्रताप सिंह जी ने बताया कि यह भौतिक वैज्ञानिक थे लेकिन इनकी रूचि जीव विज्ञान में थी। यही राष्ट्रीय शिक्षा नीति में है कि गणित विषय का बच्चा अब नीट का पेपर दे सकता है। हम सबके अन्दर विज्ञान है लेकिन बचपन से ही हम लोगों को बाँट दिया गया है कि आप गणित के हैं और आप जीव विज्ञान के हैं लेकिन वर्तमान युग ज्ञान का है यही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में है।

डॉ0 जगदीश चन्द्र बसु की जयन्ती धूमधाम से मनायी गयी

विद्या विद्या भारती विद्यालय डॉ हेडगेवार सरस्वती शिशु मंदिर आवास विकास लखीमपुर खीरी में महान भारतीय वैज्ञानिक सर जगदीश चंद्र बसु की जयंती बड़ी ही श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन अर्चन के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के आचार्य श्री परसराम कश्यप जी ने सर जगदीश चंद्र बसु के जीवन वृत्त एवं विज्ञान में किए गए आविष्कारों जैसे पौधों में जीवन है बेतार का तार ,क्रेस्कोग्राफ आदि पर प्रकाश डालते हुए उनके जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण घटनाओं का विस्तार से वर्णन किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राममणि मिश्र जी ने जगदीश चंद्र बसु जी के विषय में जानकारी प्रदान करते हुए सभी को उनके जीवन से प्रेरणा लेने एवं जयंती मनाने की सार्थकता पर बल दिया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी भैया बहिन, आचार्य , आचार्या व कर्मचारी उपस्थित रहे। मासान्त दिवस पर आचार्य दक्षता वर्ग का आयोजन किया गया। जिसमें शारीरिक के विषय जैसे समता, वर्तन तथा आचार्य पद्धति का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम का समापन कल्याण मंत्र के साथ हुआ।

ए.आई. साइबर सिक्योरिटी, डाटा साइन्स पर तीन दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

पं0 दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज(यू0पी0बोर्ड), लखीमपुर में आयोजित ए. आई, डिजिटल तकनीक, साइबर सिक्योरिटी की तीन दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न हुयी। तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ श्री संजय सिंह (असिस्टेन्ट कमिश्नर इंडस्ट्री) ने दीप प्रज्ज्वलन कर के किया, उन्होंने विद्यार्थियो को सतत अध्ययन से जीवन को उन्नत शील बनाने की सलाह दी। इन्सीट्यूट ऑफ इन्जीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी सीतापुर के निदेशक डॉ0 जगवीर सिंह ने कहा कि गणित के ज्ञान से विद्यार्थी कंप्यूटर साइंस और ए.आई के क्षेत्र में दूर तक आगे बढ़ेंगे और देश का नाम रोशन करेंगे। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह ने छात्रों का उत्साह वर्धन किया व ए.आई. के आम जीवन में हो रहे उपयोगों की जानकारी प्रदान की. तथा छात्रों को निरंतर अध्यनरत रहकर आगे बढ़ाने की सलाह दी। कार्यक्रम के पहले सत्र में बाबू बनारसीदास विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ हर्ष देव ने ए. आई. पर व्याख्यान देते हुए कहा कि कंप्यूटर प्रोग्राम के माध्यम से मशीन में यादाश्त की क्षमता पैदा की जा सकती जिससे वह निर्णय लेने की क्षमता से युक्त भी हो जाती है। ए. आई. का प्रयोग ट्रांसपोर्टेशन ,रियल स्टेट, व मनोरंजन के साथ स्वास्थ्य एवं शिक्षा में हो रहा है उन्होंने गूगल डीप माइंड, आईबीएम, डाउटनेट के साथ ए.आई. सुपर इंटेलिजेंस के आधुनिक प्रयोग से होने वाले लाभों से बच्चों को रूबरू कराया। इंस्टीट्यूट ऑफ इन्जीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी सीतापुर के प्रोफेसर डॉ रवि प्रसाद वर्मा ने डेटा साइबर

सिक्योरिटी पर व्याख्यान देते हुए कहा कि डेटा आज की आधुनिक कम्प्यूटर तकनीक मे अहम योगदान प्रदान कर रहा है एवं पर्यावरण, चिकित्सा शिक्षा आदि क्षेत्रों के उपयोगों के बारे में छात्र/ छात्रों को विस्तृत रूप से अवगत कराया तथा आने वाले समय में उत्पन्न होने वाले अवसरों में अपना भविष्य बनाने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के अन्तिम दिन कार्यक्रम का शुभारम्भ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी सीतापुर के अधिशासी निदेशक डॉ0 अभिषेक सिंह ने दीप प्रज्वलन करके किया। श्री सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि शतत अध्ययन भविष्य को सँवारने और सफलता की कुंजी है। प्रथम सत्र में आई ई टी सीतापुर के प्रोफेसर डॉ रवि श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को ए.आई. और डीप लर्निंग के हो रहे प्रयोगों को विस्तृत रूप से समझाया। उन्होने बच्चों को बताया कि आने वाले दिनों में ए.आई. के माध्यम से ड्राइवर रहित कारों, शल्य चिकित्सा के विभिन्न उपकरणों का उपयोग आम होगा, साथ ही साथ उन्होंने भारतीय पुरातन ज्ञान को आधुनिक विज्ञान से अनेक उदाहरणों द्वारा प्रस्तुत किया। द्वितीय सत्र के व्याख्यान माला के क्रम में इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी लखनऊ के प्रोफेसर डॉ0 उपेन्द्र कुमार ने बताया कि डेटा साइंस, डिजिटल टेक्नालोजी उद्यमिता के क्षेत्र में विशेष योगदान प्रदान कर रहा है। उन्होंने डाक्टर जी.पी.टी. और लॉ जी.पी.टी. के बारे में बताया। भैया/बहनों ने ए.आई., डेटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी पर पावर प्वांइट से प्रस्तुति दी व पोस्टर प्रजेन्टेशन के माध्यम से कौसिकी, उन्नति, शिवांगी शुक्ला, रूपक वर्मा, अर्पिता, अभिज्ञान कैथवार आदि विद्यार्थियों नें विषय का सुन्दर प्रस्तुतिकरण किया। समापन समारोह में श्री रवि भूषण साहनी जी (सह प्रबन्धक, विद्यालय समिति),

विद्यालय के उप प्रधानाचार्य श्री कुन्तीश अग्रवाल , निदेशक आई.ई.टी. सीतापुर डॉ0 जगवीर सिंह, रजिस्ट्रार श्री मनोज शर्मा जी व श्री जे. पी. सिंह जी नें कार्यशाला के भैया/बहनों को प्रमाण पत्र वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यशाला में पं0दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज (यू0पी0बोर्ड), सनातन धर्म सरस्वती विद्या मन्दिर बालिका इण्टर कालेज व ज्ञान स्थली इण्टर कालेज, लखीमपुर के 217 भैया/बहनों नें भाग लिया। कार्यक्रम में श्री श्याम मौर्य, श्री नीरज कुमार , श्री अनिल कुमार, श्री आशीष अवस्थी, श्रीमती निधी शुक्ला, श्री आलोक मिश्र, श्री अजय कुमार, सुश्री आक्षा शुक्ला, श्री आशीष मोहन, श्रीमती ऋतु अवस्थी, श्री प्रमोद कुमार मिश्र, श्री हरिओम के साथ विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक तथा पत्रकार बन्धु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री इन्द्रेश कुमार शर्मा ने किया। आये हुए सभी अतिथियों व भैया/बहनों का आभार डॉ संदीप कुमार शुक्ल (एच.ओ.डी. एप्लाइड साइंस) नें व्यक्त किया।

रायबरेली संकुल

वार्षिक निरीक्षण किया गया

सरस्वती शिशु मंदिर बाबूगंज में वार्षिक निरीक्षण हुआ जिसमें सभी भैया बहनों की कॉपियां देखी गई दोनों प्रधानाचार्य बंधु सभी कक्षाओं का निरीक्षण किया। वंदना सभा वंदे मातरम और व्यायाम योग में भी सहभाग किया। इस मौके पर आदरणीय नर्सिंग नारायण जी और श्री रविंद्र नाथ तिवारी जी ने अध्यापकों के साथ बैठकर विद्यालय में संख्या बढ़ाने पर जोर दिया और भैया बहनों का सुलेख सुंदर कैसे बने इस पर विशेष रूप से ध्यान देने के लिए कहा। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री वीरेंद्र विक्रम सिंह, श्री धर्मपाल सिंह, रिंकी पाल ,मनीष गुप्ता, करण निर्मल, वंदना निर्मल और विशेष रूप से राजा दिलीप सिंह का और आदरणीय को प्रबन्धक व अध्यक्ष का सहयोग रहा।

उन्नाव संकुल

झण्डा दिवस मनाया गया

सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज गोपीनाथपुरम शुक्लागंज उन्नाव में राष्ट्रीय सेना झण्डा दिवस को परम्परागत ढंग से मनाया गया। इसमें विद्यालय के आचार्यों के साथ ही सभी छात्रों ने मिलकर मनाया। इसमें छात्रों ने धन संग्रह कर अपनी जिम्मेदारी को उजागर किया। प्रमुख आचार्य श्री जगदम्मा जी व श्रीमती भाग्यलक्ष्मी जी ने सभी छात्रों को इस दिवस के बारे में विस्तृत जानकारी दी व उन्हें प्रोत्साहित किया। कुछ छात्रों ने जिसमें नन्दिता ,हर्षिता तिवारी , साक्षी यादव , इच्छा मिश्रा , संस्कृति गौतम ने झण्डा दिवस पर निबंध लेखन व पोस्टर बनाया जिसके लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री नरेन्द्र कुमार मिश्र जी ने सम्मानित किया । इस अवसर पर आचार्य परिवार उपस्थित रहा और छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

बाराबंकी संकुल

विज्ञान कक्ष का लोकार्पण व मातृ सम्मेलन सम्पन्न

तहसील फतेहपुर विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज में नवनिर्मित विज्ञान कक्षा का लोकार्पण एवं मातृ सम्मेलन का उद्घाटन भारतीय शिक्षा समिति उत्तर प्रदेश के प्रदेश निरीक्षक माननीय रामजी सिंह ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुरातन छात्रा श्रीमती अनीता श्रीवास्तव ने किया ।विशिष्ट अतिथि माननीय सुदीप जी जिला प्रचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की बहनों ने मां सरस्वती की वंदना के साथ किया साथ ही अनेक मनमोहन कार्यक्रमों जैसे शिव तांडव, शबरी के जूठे बेर, पिरामिड का निर्माण, राधा कृष्ण नृत्य, आदि मनमोहक कार्यक्रमों के द्वारा दर्शकों का मनमोहित किया गया। भैया बहनों के द्वारा सोशल मीडिया पर आधारित लघु नाटिका प्रस्तुत की गई ।कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए जिला प्रचारक श्री सुदीप जी ने बताया कि आधुनिक युग में विज्ञान का ही चमत्कार है । अपने देश भारत में सूर्य के गुणधर्म के बारे में अध्ययन करने के लिए एल 1 कार्यक्रम चल रहा है ।बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसका सफल प्रयास विद्या भारती द्वारा संचालित विद्यालयों में किया जा रहा है, जो सराहनीय है ।मुख्य अतिथि माननीय राम सिंह जी ने विद्यालय में मात्र सम्मेलन की उपादेयता के बारे में बताते हुए कहा किस शिशु की प्रथम शिक्षिका मां है। वीर अभिमन्यु का उदाहरण बताते हुए कहा कि किस प्रकार एक मां ने अप्रतिम वीर रस एवं संस्कार युक्त बालक को जन्म दिया। जिसनें मां के गर्भ में चक्रव्यूह भेदन को सीख लिया। शिशु के विकास में पंच प्राण की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रधानाचार्य श्री सुनील सिंह जी ने शिशु की दिनचर्या सुबह होने से रात को सोने तक

के बारे में बड़े ही सुंदर ढंग से माताओं को समझाया। बालक के उचित खान–पान, व्यायाम,रहन–सहन शयन जागरण से बालक स्वस्थ रह सकता है। महान पुरुषों के महान बनने में मां की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

सीता ग्रुप ऑफ़ कॉलेजेस के चेयर पर्सन श्री रमेश बाजपेई विरल जी ने मातृशक्ति को नमन किया और परिवार के संचालन में मां का विशेष योगदान रहता है इस बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष सुनील कुमार अग्रवाल जी, उपाध्यक्ष श्री अहिबरन सिंह जी ,कोषाध्यक्ष श्री विजय जैन जी ,प्रबंध कार्यकारिणी के समस्त सदस्य गण उपस्थित रहे अंत में विद्यालय के प्रबंधक श्री लाल बहादुर वर्मा जी ने आए हुए अतिथियों का आभार प्रदर्शन किया।

सरस्वती संस्कार केंद्र सत्यापन हेतु प्रशिक्षण बैठक सम्पन्न

सरस्वती संस्कार केंद्र सत्यापन हेतु प्रशिक्षण बैठक गोपाल सरस्वती विद्या मंदिर सदर , रायबरेली में संपन्न हुयी। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से प्रारंभ हुआ इस कार्यक्रम में विद्यालय के कार्यवाहक प्रधानाचार्य अंजनी कुमार बाजपेई जी , मान . हरि बाबू जी सेवा शिक्षा संयोजक अवध प्रांत उपस्थित रहे । आपका मार्गदर्शन संस्कार केंद्र संचालक / संचालिका एवं संस्कार केंद्र प्रमुख को प्राप्त हुआ । विद्यालय के श्रद्धेय प्रधानाचार्य रवींद्र मोहन मिश्र जी ने बताया की सेवा करने का कोई समय निश्चित नहीं रहता , हम जहां भी रहे वहां भी समाज की सेवा का कार्य कर सकते हैंस संस्कार केंद्र के माध्यम से भैया /बहिनों के अंदर समाज सेवा , देश सेवा आदि भावनाओं को प्रेरित किया जा सकता है। और श्री हरि बाबू जी का मार्गदर्शन सभी को प्राप्त हुआ । अंत में कार्यक्रम का समापन कल्याण मंत्र के बाद समाप्त हुआ।

हरदोई संकुल

महाकवि चिन्नास्वामी का जन्मोत्सव मनाया गया

सरस्वती भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित सरस्वती शिशु /विद्या मंदिर विष्णुपुरी हरदोई में प्रातः कालीन वन्दना सभा में महान राष्ट्रीय तमिल कवि और स्वतंत्रता सेनानी महाकवि चिन्नास्वामी सुब्रमण्यम भारती के जन्मदिवस 11दिसम्बर को भारतीय भाषा महोत्सव के रूप में मनाया गया । जिसमें भैया अतिथेय कक्षा पंचम ने रामचरित मानस की चौपाई का वाचन किया तथा बहन प्रज्ञा सिंह ने महाकवि चिन्नास्वामी सुब्रमण्यम भारती जी के जीवन वृत्त पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा किये गये कार्यों को बताया। भैया दिव्यांश कक्षा तृतीय ने लघु कथा, भैया अर्पित कुमार ने कविता, भैया प्रांज्जल पाण्डेय ने कहानी सुनाई। साथ ही आज सभी कक्षाओं में हिन्दी व अंग्रेजी भाषा की सुलेख प्रतियोगिता कराई गई तथा संस्कृत संभाषण की प्रतियोगिता भी हुई। जिनमे स्थान प्राप्त करने बाले भैया बहनों को प्रधानाचार्य श्रीमान विनोद कुमार सिंह जी के द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभी भैया/बहन एवं समस्त आचार्य बन्धु उपस्थित रहे।

बाल दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किये गये

सरस्वती शिशु /विद्या मंदिर विष्णुपुरी हरदोई बाल दिवस के अवसर पर शिशुओं की विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं सम्पन्न हुई। जिसमें अरुण, उदय, प्रभात के भैया/बहन सम्मिलित हुए। जिनकी कुर्सी दौड़, जलेबी खा, गुब्बारा फोड़ आदि प्रतियोगिताएं कराई गई । उनमें शामिल बच्चों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्रदान किए गये। अन्त में सभी शिशुओं को बिस्कुट देकर घर भेजा गया। विद्यालय के प्रथम सहायक आचार्य ललित बाजपेई जी ने बाल दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

प्रान्तीय निरीक्षण सम्पन्न हुआ

विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित सरस्वती शिशु /विद्या मंदिर उ०मा० विद्यालय विष्णुपुरी हरदोई में 2023 के वार्षिक निरीक्षण के क्रम में सरस्वती शिशु /विद्या मन्दिर उ० मा० विद्यालय नानकपुरा साकेत फैजाबाद से पधारे देव तुल्य परम आदरणीय प्रधानाचार्य श्रीमान सुरेश चन्द्र पाण्डेय जी व उनकी कर्मयोगी ऊर्जावान टीम से श्रीमान कृष्णदेव त्रिपाठी जी, श्रीमान कृष्ण कुमार तिवारी जी का मार्गदर्शन और आशीर्वाद प्राप्त हुआ। प्रातः कालीन वन्दना सभा में अतिथि महानुभावों का परिचय विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान विनोद कुमार सिंह जी ने कराया। तत्पश्चात अतिथि महानुभावों के द्वारा शिक्षण का निरीक्षण गहनता पूर्वक किया गया। निरीक्षण के साथ ही बीच बीच में सुधारात्मक सुझाव भी प्रदान किए गये।

गुरू नानक जयन्ती धूमधाम से मनायी गयी

विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित सरस्वती शिशु /विद्या मंदिर विष्णुपुरी हरदोई में वन्दना सभा में गुरुनानक जयंती मनाई गयी। जिसमें गुरुद्वारा कमेटी हरदोई के महासचिव श्रीमान जोगिंदर सिंह गाँधी जी उपस्थित हुए। दीप प्रज्ज्वलन,पुष्पार्चन व वन्दना के पश्चात अतिथि महानुभाव को पटका पहनाकर बैज लगाकर माल्यार्पण कर प्रधानाचार्य श्रीमान विनोद कुमार सिंह द्वारा सम्मानित किया गया । अतिथि महानुभाव ने भैया बहनों को सिख धर्म के संस्थापक सिक्खों के प्रथम गुरु—— गुरु नानक देव जी के विषय में बहुत ही रोचक तथ्य बताये। साथ ही बताया कि इस प्रकार के आयोजन हमारी संस्कृति के उत्थान हेतु बहुत आवश्यक है ।

तुलसी माता का पूजन किया गया

सरस्वती शिशु /विद्या मंदिर विष्णुपुरी में कन्या भारती की बहनों द्वारा तुलसी पूजन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान विनोद कुमार सिंह, वरिष्ठ आचार्य श्री उमेश कुमार सिंह ,मनोज कुमार पाण्डेय,सुशील कुमार सिंह तथा आचार्या कल्पना सिंह उपस्थिति रहे।

अम्बेडकर नगर संकुल

स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी का जन्मदिन भारतीय भाषा के रूप में मनाया गया

विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित विवेकानंद शिशु कुंज सीनियर सेकेंडरी स्कूल एनटीपीसी टांडा अंबेडकर नगर में प्रातः कालीन वन्दना सभा में महान राष्ट्रीय तमिल कवि और स्वतंत्रता सेनानी महाकवि चिन्नास्वामी सुब्रमण्यम भारती के जन्मदिवस 11 दिसम्बर को भारतीय भाषा महोत्सव के रूप में मनाया गया । जिसमें भैया बहनों ने भारतीय भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला एवं हिंदी भाषा स्थानीय भाषा में भजन कीर्तन एवं गीत प्रस्तुत किया । इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान काली प्रसाद मिश्रा जी ने महाकवि चिन्नास्वामी सुब्रमण्यम भारती जी के जीवन वृत्त पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा किये गये कार्यों को बताया। विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री राम आशीष सिंह जी, श्री प्रेमचंद पांडेय जी, श्री सीताराम यादव जी, श्री राम जी गौड़ जी, श्री लवकुश पांडेय जी, ने भारतीय भाषा महोत्सव के बारे में विस्तार पूर्वक बच्चों को बताया । साथ ही आज सभी कक्षाओं में हिन्दी व अंग्रेजी भाषा की सुलेख प्रतियोगिता कराई गई तथा संस्कृत संभाषण की प्रतियोगिता भी हुई। मंच का संचालन विद्यालय के प्रधानमंत्री भैया आलोक कुमार ने किया। इस अवसर पर सभी भैया/बहन एवं समस्त आचार्य बन्धु उपस्थित रहे।

बहराइच संकुल

विज्ञान दिवस कार्यक्रम मनाया गया

सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज, माधवपुरी बहराइच में डा0 जगदीश चन्द्र बसु के जन्मदिवस पर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मां वीणापाणि की वन्दना से हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री रविकुमार शुक्ल जी ने अतिथि महानुभावों का परिचय एवं सम्मान किया। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी विज्ञान प्रमुख जितेन्द्र कुमार बाजपेयी ने प्रस्तुत की। डा0 किशुन बीर सिंह ने विज्ञान का मानव जीवन में प्रयोग एवं महत्व पर प्रकाश डाला। तत्पश्चाता विज्ञान प्रदर्शनी में सेन्सर आधारित इलेक्ट्रानिम, मानव कार्यिकी, पोधों एवं जन्तुओं की आंकारिकी तथा पर्यावरण पर आधारित चल–अचल चार्ट माडल भैया/बहिनों द्वारा प्रस्तुत किये गये। प्रदर्शनी में 100 भैया/बहिनों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के समापन में विद्यालय के प्रबन्धक कमलेश कुमार अग्रवाल ने अतिथि महानुभावों का धन्यवाद् ज्ञापन किया। इस मौके पर किसान डिग्री कालेज के भौतिक विज्ञान के विभागाध्यक्ष डा0 किशुन वीर सिंह, रसायन विज्ञान प्रभारी प्रो0 रूपचन्द राजकीय इण्टर कालेज के जीव विज्ञान प्रवक्ता श्री पंकज पाण्डेय एवं श्रीमान विभाग प्रचारक, श्रीमान नगर कार्यवाह एवं समस्त आचार्य परिवार उपस्थित रहा।

बलरामपुर संकुल

योग का अभ्यास कराया गया

बलरामपुर। योग वेलनेस सेंटर (होम्योपैथिक विभाग) कैंपस जिला मेमोरियल चिकित्सालय बलरामपुर के योग प्रशिक्षक डॉ अमरजीत द्वारा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में एक दिवसीय योग एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गयाष उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे योग वेलनेस सेंटर बलरामपुर की तरफ से विद्यालय प्रांगण एकदिवसीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा स्वास्थ्य योग शिविर का उद्घाटन विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राम तीरथ जी ने किया और उन्होंने बच्चों से कहा नियमित योग अभ्यास करने से अपने आप को स्वस्थ एवं निरोग बना सकते हैं।उत्तर प्रदेश राज्य आयुष योग वेलनेस सेंटर प्रभारी डॉ अमरजीत ने बच्चों को यह तथ्य बताया कि हजारों वर्षों से प्रमाणिक होता आ रहा है कि योग हमें स्वस्थ तन और सुंदर मन देता है। बच्चों को कौन सी बीमारी में कौन सा आसन करें बच्चों को अनिद्रा ,मोटापा, सर्वाइकल ,कब्ज, गैस की समस्या जैसे बीमारी में कौन सा आसन एवं प्राणायाम करें। इसकी जानकारी बच्चों को दी गई। योग सहायक अभिषेक मणि त्रिपाठी ने बच्चों को सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वीरभद्रासन ,त्रिकोणासन ,बालासन, गोमुखासन, पद्मासन के साथ

प्राणायाम की जानकारी योग प्रशिक्षक डॉ अमरजीत सिंह ने बच्चों को कपालभाति, अनुलोम, विलोम भस्त्रिका प्राणायाम के साथ भ्रामरी प्राणायाम की जानकारी देते हुए बच्चों से कहा कि अगर आप रोग मुक्त होना चाहते हो तो हमें योग के शरण में जाना होगा। साथ में प्रभारी

चिकित्सा अधिकारी डॉ राम जी प्रजापति ने बच्चों को आयुर्वेद के बारे में जानकारी दी। बच्चों को रसोई में उपलब्ध मसाले व छात्र एवं छात्राओं को औषधीय के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर विद्यालय के सभी अध्यापक एवं अध्यापिका ने योग का अभ्यास बच्चों के साथ किया और साथ में नियमित योग का योगाभ्यास करने की प्रतिज्ञा ली।

गोण्डा संकुल

संस्कार केन्द्र का निरीक्षण किया गया

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज गोला गोकर्णनाथ की प्रांतीय टीम द्वारा आज स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मालवीय नगर गोंडा द्वारा संचालित सरस्वती बाल संस्कार केंद्र का निरीक्षण किया गया। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर बृजेंद्र कुमार मिश्र एवं सहयोगी आचार्य उपस्थित रहे।

अति महत्वपूर्ण तिथियां

माह दिसम्बर–

16 मार्गशीष शुक्ल चतुर्थी	शनिवार	विजय दिवस (कार्यक्रम)
अन्तिम सप्ताह		द्वितीय स्वास्थ्य परीक्षण एवं शारीरिक क्षमता मापन
22 मार्गशीष शुक्ल दशमी	शुक्रवार	श्री रामनिवासरामानुजम जयंती रा. गणित दिवस
23 मार्गशीष शुक्ल द्वादशी	शनिवार	मदनमोहन मालवीय, अटलबिहारी बाजपेयी जयंती
25 मार्गशीष शुक्ल चतुर्दशी	सोमवार	मदनमोहन मालवीय, अटलबिहारी बाजपेयी जयंती तुलसी पूजन (अवकाश)
26 मार्गशीष पूर्णिमा	मंगलवार	वीर बालक दिवस (कार्यक्रम)
31 पौष कृष्ण चतुर्थी	रविवार	विद्यालय स्तरीय दक्षता वर्ग

भारतीय शिक्षा समिति, उ.प्र.
अवध प्रान्त
सरस्वती कुन्ज निरालानगर, लखनऊ